Next-Form No. 87

S.N. 232368

RECEIPT FOR FEES DEPOSITED FOR SEARCH & COPY

Serial number of application..... 884/22

Date of application..... 14/3/22.

Name of applicant..... Sri Umesh Kumar

.....

Fees Paid..... 160/-

Stamp Paper for.....

Date of deposit.....

Registering Officer

अनुसूची 21–फारम सं॰ 113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

बिपलव देवाई एवं इन्डेक्स II के आधार पर लिखित

प्रमाण–पत्र संख्या ..... 852 ..... आवेदन सं॰ 884/20

चूँकि श्री ..... Sri Umesh Kumar .....

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्बंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दे।)

इसलिये मैं ईसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणिका में ता॰ 21/01/2011 से 01/01/2014 तक Alpha Index II Registered deed तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अत: संपत्ति ऋण भार से मुक्त है।

क्र॰ सं॰	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों का नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र॰ निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mouza - Udaini Thana - Phulwarisharif. Thana No - 109 Tauzi No - Govt. of Bihar Khata No - 27 Khesra No - 817 Area - 29.93 Decimal							

Scanned with CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार दर्ज करें।
2. बंधक–पत्र की दिशा व्याज की कर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। वशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहारों और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): राजेश्वर प्रसाद सिंह

(पदनाम): लिपिक

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जांच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): सीता सिन्हा

(पदनाम): U.D.C.

कार्यालय: Patna

तारीख: 14/3/2020.

टिप्पणी:–इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक के द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किसी अन्य संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) ईस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-५७ के अधीन जो व्यक्ति (बहियों) और अनुक्रमणियों (इन्डेन्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हो अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हो जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों को जरुरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की हैं, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की हैं, और चूँकि उसके बाद ढूँढ़े गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र दे दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढ़े गये ऐसें संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक Patna

ज्ञाप संख्या 846

आवेदक श्री Sri Umesh Kumar दिनांक 14/3/2020

का ऋणभार प्रमाण-पत्र हेतु Canara Bank, Exhibition Road, Patna

का उनके पत्र संख्या ..... दिनांक ..... के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी 14/3/20

Scanned with CamScanner

XXI-Form No. 87
(H)

SN 293311

RECEIPT FOR FEES DEPOSITED FOR SEARCH & COPY

Serial number of application..... 512/20

Date of application..... 14/3/20.

Name of applicant..... Sri Umesh Kumar

.....

Fees Paid..... 240/-

Stamp Paper for.....

Date of deposit.....

Registering Officer

अनुसूची 21–फारम सं॰ 113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

उपलब्ध रेकार्ड एवं इन्डेक्स II के आधार पर निर्गत।

प्रमाण–पत्र संख्या ..... आवेदन सं॰ .....

श्री/श्रीमती ..... Umesh Kumar .....

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता॰ 01/01/2014 से ता॰ ..... तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अतः

संपत्ति ऋण भार से मुक्त है।

क्र॰ सं॰	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों का नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र॰ निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mouza – Udaini Thana – Phulwarisharif. Thana No – 102 Touze No – Govt of Bihar Khata No – 27 Khesra No – 817 Area – 29.53 Decimal.							

Scanned with CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार दर्ज करें।
2. बंधक-पत्र की दिशा व्यवस्था की कर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। शर्तें की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहारों और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): गिरजा सिंह

(पदनाम): लिपिक

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): सुशील सिंह

(पदनाम): U.D.C.

कार्यालय: Phulwarisharif, Patna

तारीख: 14.03.2020.

मुहर एवं हस्ताक्षर सहायक निबंधक

टिप्पणी:-इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये हैं वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत [illegible] आवेदक के द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधन कार्यालय में दिखाया गया हो तो वैसी परिस्थिति से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-५८ के अधीन जो व्यक्ति (वहियों) और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रतियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों किन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरुरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। निर्धारित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की हैं, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की हैं, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र दे दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक फुलवारीशरीफ, पटना

छाप संख्या 562 दिनांक 14/3/2020.

आवेदक श्री Sri Umesh Kumar

का खतभार प्रमाण-पत्र द्वारा Canara Bank Exhibition Road, Patna

का उनके पत्र संख्या _____ दिनांक _____ के प्रसंग में आवंसारित की जाती है।

निबंधक, फुलवारीशरीफ 14/3/20

M फुलवारीशरीफ